भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3303
दिनांक 20 मार्च, 2025

घरेलू उपयोग के लिए विश्व बाजार से कच्चे तेल पर निर्भरता

†3303. श्री आदित्य यादव:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस बात का संज्ञान लिया है कि हमारा देश विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है और यह अपनी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए विश्व बाजार में विभिन्न स्रोतों से कच्चे तेल पर निर्भर है; और
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आगामी वर्षों में देश में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख): भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। विगत कुछ वर्षों में संधारणीय आर्थिक उन्नति के कारण देश में ऊर्जा खपत में लगातार वृद्धि हो रही है।

सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए विभिन्न कदम उठा रही है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, नए देशों और क्षेत्रों के माध्यम से आयात स्रोतों में विविधता लाना; तथा एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (ईबीपी), किफायती परिवहन के लिए सतत विकल्प (एसएटीएटी) जैसी योजनाओं के माध्यम से पारंपरिक हाइड्रोकार्बन से आगे बढ़कर एथेनॉल, संपीड़ित जैवगैस, हाइड्रोजन जैसे उभरते ईंधनों से ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना शामिल है।

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय तेल उपक्रमों (पीएसयूज) ने किसी एक क्षेत्र से कच्चे तेल की निर्भरता संबंधी जोखिम को कम करने तथा क्रूड आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्रूड बास्केट का विविधिकरण किया है और विभिन्न भौगोलिक स्थलों में स्थित देशों अर्थात मध्य पूर्व, अफ्रीका, उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका आदि से क्रूड की अधिप्राप्ति कर रहे हैं।

इसके अलावा, सरकार ने रिफाइनरियों के लिए कच्चे तेल आपूर्तियों को सुरक्षित रखते हुए कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए एक बहुआयामी कार्यनीति अपनाई है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

i. आयात निर्भरता कम करने के लिए विभिन्न नीतिगत पहलों आदि के माध्यम से तेल और प्राकृतिक गैस के घरेलू उत्पादन में वृद्धि करना।

ii. अर्थव्यवस्था में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने और कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के लिए गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की दिशा में देश भर में ईंधन/फ़ीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देना।

iii. कच्चे तेल का आयात कम करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के लिए एथेनॉल, दूसरी पीढ़ी के एथेनॉल, संपीड़ित जैवगैस, बायोडीज़ल, ग्रीन हाइड्रोजन और ईवी जैसे नवीकरणीय और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना।

iv. रिफाइनरियों को स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मध्य पूर्व और ओपेक देशों से हटकर कच्चे तेल की आपूर्ति में विविधता लाना।

v. रिफाइनिंग क्षमता में वृद्धि करना ।

vi. आपूर्ति जोखिमों को कम करने और मूल्य अस्थिरता के विरुद्ध सुरक्षा के लिए कार्यनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व क्षमता को बढ़ाना।

vii. प्रचालनों को अनुकूलित करने के लिए रिफाइनरी प्रक्रिया में सुधार और ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को बढ़ावा देना।

viii. स्थिर अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादन करने वाली/लगभग उत्पादन करने वाली विदेशी परिसंपत्तियों में निवेश के अवसरों की खोज करना।

****